2 सिक्के का भभूत

लिखिए

किसने, किससे कहा—

	किसने कहा	किससे कहा
क. महँगाई बहुत बढ़ गई है।	पूसी बिल्ली ने	अन्य जानवर से
ख. आज की बचत, कल की सुरक्षा।	हाथी दादा ने	अन्य जानवर से
ग. लगी पाँच सौ रुपये की शर्त!	कल्लू लोमड़ ने	पूसी बिल्ली से
घ. सब तुम्हारी चालाकी को नहीं जानते हैं न।	मिट्ठू तोता ने	कल्लू लोमड़ से

सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाइए—

क. बिल्ली का क्या नाम था?
- ✓ पूसी

ख. कल्लू के पास कितने के सिक्के थे?
- ✓ 20 पैसे के

ग. किसने किसी को न ठगने का वचन दिया?
- ✓ कल्लू ने

समझिए व्याकरण संबोध

1. विलोम लिखिए—

आसान	×	मुश्किल	सुरक्षा	×	असुरक्षा	ज़मीन	×	आसमान
चालाकी	×	बेवकूफ़ी	मूर्खता	×	बुद्धिमानी	गरम	×	ठंडा

2. रंगीन शब्दों के वचन बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए—

क. कितनी **सरकार** आई-गई पर महँगाई से छुटकारा नहीं दिला पाई।

उ. कितनी **सरकारें** आईं-गईं पर महँगाई से छुटकारा नहीं दिला पाईं।

ख. कल्लू ने जेब से बीस पैसे का **सिक्का** निकाला।

उ. कल्लू ने जेब से बीस पैसे के **सिक्के** निकाले।

ग. मेरी बंद **मुट्ठी** हवा के न मिलने से गरम हो गई।

उ. मेरी बंद **मुट्ठियाँ** हवा के न मिलने से गरम हो गईं।

घ. कल्लू ने अपनी **नज़र** झुका ली।

उ. कल्लू ने अपनी **नज़रें** झुका लीं।

3. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए—

विज्ञान जानने वाला	= वैज्ञानिक	जो लोगों को ठगता हो	= ठग
वन का राजा	= वनराज	दूसरों की मदद करने वाला	= मददगार

4. दिए गए शब्दों को उचित स्थान पर लिखिए—

चंपकवन, जंगल, पूसी, ठगी, पैसे, महँगाई, मिट्ठू, भोलेपन, पशु

व्यक्तिवाचक संज्ञा	— चंपकवन	पूसी	मिट्ठू
जातिवाचक संज्ञा	— जंगल	पैसे	पशु
भाववाचक संज्ञा	— ठगी	महँगाई	भोलेपन

5. दिए गए मुहावरों को उनके अर्थ से मिलाइए—

स्वर्ग पाना	अत्यधिक प्रसन्न होना
हक्का-बक्का होना	आश्चर्यचकित होना
आँख लगना	नींद आना
दिल काँप उठना	डर जाना

PAGE No.
DATE

पाठ - 2 सिक्के का भभूत

कहानी का मूलभाव - विद्यार्थी कहानी से समझदारी, सूझबूझ की जानकारी जैसे मूल्यो का विकास करना, ठगी से बचना आदि बातों की सीख मिलेगी।

श्रुतलेखन शब्द

1. सिक्के
2. आसान
3. ठगी
4. मेहनत
5. चालाकी
6. चौपाल
7. नाटक
8. गड़बड़
9. ज़मीन
10. आपस
11. जंगल
12. शर्त
13. बचत
14. भभूत
15. मूर्खता

शब्दार्थ

1. भभूत - राख
2. मूर्खता - बेवकूफ़ी
3. चालाकी - धूर्तता
4. चेतावनी - सावधान करना

कुछ शब्दों में

प्र०1 चौपाल में किस बात पर चर्चा हो रही थी?

उत्तर चौपाल में महँगाई पर चर्चा हो रही थी।

प्र०2 सभी पशु-पक्षी क्या ध्यान से देखने लगे?

उत्तर- सभी पशु-पक्षी कल्लू लोमड के सिक्के से अभूत निकालने के खेल को ध्यान से देखने लगे।

प्र०3 हाथी दादा ने गुस्से में कल्लू से क्या कहा?

उत्तर हाथी दादा ने गुस्से में कल्लू से सिक्के से अभूत निकालने का तरीका सच-सच बताने के लिए कहा।

कुछ वाक्यो में

प्र०1 क्या सुनकर कल्लू को ठगी सूझी?

उत्तर - महँगाई कम करने की बात सुनकर कल्लू को ठगी सूझी।

प्र०2. कल्लू लोमड़ ने सिक्के से अभूत कैसे निकाला?

उत्तर- कल्लू लोमड़ ने जेब से बीस पैसे का सिक्का निकाला

और उसे मुट्ठी में कसकर दबा लिया फिर आँखे बंद करके अँगूठे और अँगुलियों से सिक्के को रगड़ने लगा। इस प्रकार कल्लू लोमड़ ने सिक्के से भभूत निकाला।

प्र०3 क्या सुनकर कल्लू की सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई?

उत्तर मिट्ठू ने कल्लू को पाँच रुपये के सिक्के से भभूत निकालने को कहा और अगर तुम हारे तो तुम्हें सबके रुपये लौटाने होंगे। यह सुनकर कल्लू की सिट्टी-पिट्टी गुम हो गई।

प्र०4 कल्लू को किसने और क्या चेतावनी दी?

उत्तर कल्लू को जंगल के राजा शेर ने चेतावनी दी कि यदि उसने आज के बाद किसी को ठगा तो उसे जंगल से निकाल दिया जाएगा।